सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 284 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 22 नवम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

स्कूल में हम सीखते हैं की गलती करना बुरा है और ऐसा करने पर हमे सजा मिलती है। फिर भी, अगर आप देखें कि मनुष्यों को कैसे सीखने के लिए डिजाईन किया गया है, तो पायेंगे कि हम गलतियां कर के सीखते हैं।
-रॉबर्ट कियोसाकी

भारतीय टीम कतर के आगे नहीं टिक... 7 | गहलोत, राजे और केसीआर में अब... 3 | शर्त रखने पर मप्र जैसा करेंगे... 2

एक शब्द ने मचा दिया सियासी बवाल

'पनौती' को लेकर भाजपा कांग्रेस में वार-पलटवार

» सपा प्रमुख ने भी बीजेपी को घेरा
» दिग्विजय ने भी मोदी-शाह को लपेटा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान के चुनावी समर से उठा एक शब्द देश के सियासी माहौल को गरमा रहा है। आम व खास जन से लेकर सोशल मीडिया तक खूब चर्चा में है ये शब्द पनौती। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए इस शब्द का इस्तेमाल करने पर कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी को अभी घेर ही रही थी कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता दिग्विजय सिंह ने इस मामले को और भी बढ़ा दिया।

दिग्विजय सिंह ने पनौती शब्द को परिभाषित करते हुए ट्वीट किया है। ट्वीट में दिग्विजय सिंह ने तंज कसते हुए लिखा, पनौती का क्या अर्थ है? मैंने पता लगाया यह एक नकारात्मक शब्द। वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि विश्वकप का फाइनल मुकाबला जो गुजरात में हुआ वो अगर लखनऊ में होता तो टीम इंडिया को कई लोगों का आशीर्वाद मिलता। अगर मैच लखनऊ में होता तो टीम इंडिया को विष्णु जी, अटल बिहारी वाजपेयी का भी आशीर्वाद मिलता और हमारी टीम जीत जाती।

राजनीति को खेलों में लेकर आ गई है बीजेपी : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मामले में बीजेपी पर हमला बोला है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स के जरिये कहा कि भाजपा के राज में खिलाड़ियों के साथ अपमानजनक व्यवहार का उदाहरण न केवल महिला कबड्डी खिलाड़ी हैं, बल्कि अब क्रिकेटर भी हो रहे हैं। क्रि केट में भारत के लिए पहला वर्ल्ड कप जीतने वाले और देश के आदर्श कपिल देव को विश्व कप के फाइनल में आमंत्रित न करने से उनका जो निरादर हुआ है, उससे देश की खेल प्रेमी जनता बेहद दुखी है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने खेलों का अवांछित राजनीतिकरण करके अच्छा नहीं किया। मालूम हो कि 1983 का क्रिकेट विश्वकप जीतने वाले भारतीय टीम के कप्तान कपिल देव को फाइनल मैच में बुलाया नहीं गया था। कपिल देव ने उस बात को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था।

भाजपा ने मोदी जी को पनौती क्यों मान लिया : दिग्विजय

कांग्रेस नेता दिग्विजय ने कहा कि जब कोई काम होते-होते रह जाए तो उस इंसान को पनौती कह दिया जाता है पनौती शब्द का इस्तेमाल उस व्यक्ति के लिए किया जाता है जो अपने आस-पास के लोगों के लिए दुर्भाग्य या बुरी खबर लाता है, इसीलिए इसे नकारात्मक शब्द कहते हैं, विश्व कप प्रारंभ होते ही सोशल मीडिया पर यह शब्द ट्रेंड करने लगा। यह किसके लिए कहा गया? स्टेडियम में हजारों लोग थे। भाजपा ने मोदी जी को पनौती क्यों मान लिया? वे तो उनकी उनकी नजर में विश्वगुरु हैं ।

राहुल मांगे माफी : प्रसाद

दरअसल एक सभा के दौरान राहुल गांधी ने विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की हार के परिपेक्ष में पनौती शब्द का इस्तेमाल किया था, इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री मोदी को गाली देने का आरोप लगाया और उनसे माफी मांगने की मांग की। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि हार की हताशा में राहुल गांधी इतने परेशान हो गए हैं कि अब प्रधानमंत्री मोदी को गाली दे रहे हैं। रविशंकर प्रसाद का कहना है, प्रधानमंत्री मोदी खिलाड़ियों के पास जाकर उनकी मदद करते हैं, स्नेह करते हैं और उनका मनोबल बढ़ाते हैं, आज भारत के खिलाड़ी एशियाड में, ओलंपिक में, पैरा ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, हमारे क्रिकेट खिलाड़ियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, ठीक है, हार-जीत होती रहती है उसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ ऐसे शब्दों का प्रयोग पहले उनके समर्थक करें और फिर राहुल गांधी स्वयं भी अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए ऐसे शब्द का प्रयोग करते हैं, यह निंदनीय है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने इस शब्द को पीड़ादायक बताते हुए राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की।

अच्छा भला हमारे लड़के वर्ल्डकप जीत जाते, लेकिन... : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जालोर में चुनाव प्रचार करते हुए वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की हार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अच्छा भला हमारे लड़के वर्ल्ड कप जीत जाते, लेकिन पनौती ने हरवा दिया। दरअसल, राहुल गांधी जनसभा में पीएम मोदी का जिक्र कर निशाना साध रहे थे। इसी दौरान जनसभा में कुछ लोग पनौती पनौती चिल्लाने लगे। बता दें कि अहमदाबाद में खेले गए विश्व कप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया था। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सामने 241 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 50 ओवर पूरा होने से पहले ही इस लक्ष्य को हासिल करके विश्व कप की ट्रॉफी को छठी बार जीता था।

बदले की भावना से काम कर रही मोदी सरकार : खरगे

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में 752 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। ईडी (द्वारा दिल्ली, मुंबई और लखनऊ समेत देश के कई ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। केंद्रीय एजेंसी द्वारा जिन संपत्तियों को जब्त किया गया है, उसमें दिल्ली स्थित नेशनल हेराल्ड बिल्डिंग, लखनऊ का नेहरु भवन और मुंबई का हेराल्ड हाउस शामिल है। वहीं इस मामले में कांग्रेस ने आपत्ति की है। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि मोदी सरकार बदले की भावना से काम कर रही है। वहीं प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में 751.9 करोड़ रुपये की संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त किया गया है। जिसमें एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे कई शहरों में फैली 661.69 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां है। यंग इंडियन (वाईआई) द्वारा नेशनल हेराल्ड मनी लाड्रिंग केस को लेकर कांग्रेस के कई नेताओं से पूछताछ की जा चुकी है। पिछले साल ईडी ने सोनिया गांधी से इस संबंध में कई दिनों तक घंटों पूछताछ की थी, वहीं राहुल गांधी से भी इस मामले में सवाल-जवाब किए थे।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बख्शने के मूड में नहीं अखिलेश

शर्त रखने पर मप्र जैसा करेंगे व्यवहार

» जयंत के साथ बनाएंगे रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव बीत गए हैं और अब वहां मतगणना का इंतजार है, एमपी चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के विवाद पर सभी का ध्यान गया। पूरे घटनाक्रम से वाकिफ नेताओं का दावा है कि लोकसभा चुनाव के दौरान यूपी में अगर कांग्रेस ने किसी किस्म की नई शर्त रखी तो हम एमपी में लोकसभा चुनाव के दौरान वही करेंगे जो विधानसभा चुनाव में किया।

सपा की रणनीति है कि अगर कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में गठबंधन के लिए कुछ अलग शर्तें रखीं तो वह मध्य प्रदेश की उन सीटों पर आक्रामक चुनाव लड़ेगी जिनकी सीमाएं यूपी से सटती हैं, दीगर है कि अखिलेश यादव की अगुवाई में सपा ने एमपी ने आक्रामक चुनावी प्रचार किया था। हालांकि सपा की सारी रणनीति फिलहाल 3 दिसंबर को चुनावी फैसले पर टिकी हुई है, पार्टी के नेताओं का मानना है कि अगर वह राज्य में इस स्थिति में आती है कि वह कांग्रेस से लोकसभा चुनावों में तोलमोल कर सके तो बिल्कुल करेगी और एमपी में हुए विवाद को ध्यान में रखेगी।भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी और चुटकियों के जरिए सपा-कांग्रेस के रिश्ते के साथ ही इंडिया अलायंस पर टिप्पणी की। कांग्रेस और सपा के रिश्तों में आई खटास के बाद कयास इस बात के भी लगाए जा रहे हैं कि अगर बात नहीं बनी तो अखिलेश यादव, एमपी में फिर एक बार ताल ठोकेंगे।

एनडीए से गठबंधन कर सकती है पीस पार्टी

पिछले 15 साल के दौरान हुए तीन लोकसभा और तीन विधानसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ चुकी पीस पार्टी के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद अयूब का सियासी चश्मा अब बदल चुका है । उन्हें अब भाजपा जैसे दलों के साथ भी चुनाव लड़ने में कोई परहेज नहीं है। करीब डेढ़ दशक के सियासी सफर के बाद उन्हें अब लगने लगा है कि सपा, बसपा और कांग्रेस ने मुस्लिम समाज को सिर्फ एक वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल किया है। उनका मानना है कि ये तीनों दल चुनाव में मुस्लिमों का वोट तो लेते हैं, पर जब सत्ता में आते हैं तो इस समाज को न तो भागीदार बनाते हैं और न ही इनका ख्याल रखते हैं। उनका कहना है कि मौका मिलेगा तो एनडीए से गठबंधन करने से गुरेज नहीं करेंगे। पूर्वांचल में पसमांदा मुस्लिमों के बड़े नुमाइंदे के तौर पर पहचान रखने वाले डॉ. अयूब ने पार्टी के गठन के बाद 2012 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में चार सीटों पर जीत दर्ज करके मुस्लिम समाज पर अपनी पकड़ का एहसास भी कराया था, लेकिन गठबंधन के दौर में भी किसी बड़े दल का साथ न मिलने की वजह से पीस पार्टी एक तरह से अलग-थलग पड़ गई है। जह है कि डॉ. अयूब अब भाजपा की तरफ भी दोस्ती का हाथ बढ़ाने के प्रयास में जुटे हैं। एनडीए से गठबंधन को लेकर उनके हाल के बयान को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। डॉ. अयूब का कहना है कि यूपी में पसमांदा मुस्लिम समाज जागरूक हो गया है। सिर्फ वोटबैंक बन कर नहीं रहना चाहता है। वे कहते हैं कि अब तक यह समाज सिर्फ धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भाजपा को हराने के लिए वोट करता था, लेकिन अब यह समझ में आने लगा है कि यह विचारधारा समाज को नुकसान पहुंचा रहा है।

इंडिया की जगह पीडीए को तरजीह

यूपी के संदर्भ में एक ओर जहां अखिलेश यादव इंडिया से ज्यादा पीडीए पर जोर दे रहे हैं और कांग्रेस भी सभी 80 सीटों पर तैयारी की बात कर रही हैं, ऐसे में दोनों दलों के गठबंधन को लेकर कई सवाल हैं, यूपी में सपा ही नहीं बल्कि जयंत चौधरी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय लोकदल भी कांग्रेस का इंतजार कर रही है, राजस्थान में जयंत भी 4-5 सीटें मांग रहे थे लेकिन पार्टी ने सिर्फ 1 सीट ही दी। अब चूंकि एमपी में चुनाव बीत गए हैं और राजस्थान नें 25 नवंबर को वोटिंग है, इसके बाद सभी को मतगणना का इंतजार है, ऐसे मे यूपी में कांग्रेस और सपा के रिश्ते का ऊंट किस करवट बैठेगा यह जवाब वक्त के पास है, साथ ही इस रिश्ते में रालोद की भूमिका भी अहम होगी।

जाति की आबादी के अनुरूप मंत्री बनाएं नीतीश : मांझी

» बिहार में 75 प्रतिशत आरक्षण लागू होते ही सियासी संग्राम शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में अब 75 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था लागू हो गई है। अब इसका लाभ लोगों को मिल पाएगा। इससे जुड़े विधेयक पर राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने हस्ताक्षर कर दिए हैं। बता दें कि बीते दिनों विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान हंगामे के बीच नीतीश सरकार ने संशोधित आरक्षण विधेयक को पारित कराया था। इधर, राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर के आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने इसे लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोला। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट कर लिखा कि बिहार में आरक्षण बढ़ाने के बिल को राज्यपाल की मंजूरी मिल गई।

उम्मीद है सीएम नीतीश कुमार वर्तमान राज्यमंत्रिमंडल को बर्खास्त कर जाति के आबादी के अनुरूप नए मंत्रिपरिषद का गठन करेंगे। मांझी ने आगे यह भी लिखा कि जिसकी जितनी संख्या भारी मिलेगी, उसको उतनी हिस्सेदारी, सभी जातियों को मिलेगी सरकार में जिम्मेदारी। बिहार में आरक्षण बढाने के बिल को राज्यपाल की मंजूरी मिल गई। उम्मीद है आज ही नीतीश कुमार वर्तमान राज्यमंत्रिमंडल को बर्खास्त कर जाति के आबादी के अनुरूप नए मंत्रिपरिषद का गठन करेंगें। बता दें कि बिहार में विपक्ष में बैठी भाजपा और मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा जाति आधारित सर्वे के विधानसभा में पेश किए गए आंकड़ों का विरोध किया था।

टीडीपी नेता नायडू के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची आंध्र सरकार

» रेगुलर बेल का उठाया मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। स्किल डेवलपमेंट मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को मिली जमानत के खिलाफ आंध्र प्रदेश सरकार मंगलवार (21 नवंबर) को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। मामले में 9 सितंबर को तेलुगू देशम पार्टी की प्रमुख नायडू की गिरफ्तारी हुई थी। डेढ़ महीने से ज्यादा समय जेल में बिताने के बाद हाई कोर्ट ने पूर्व सीएम नायडू को अंतरिम जमानत दे दी थी। अब हाई कोर्ट ने इसे नियमित जमानत में बदल दिया है।

दरअसल, नायडू पर आरोप है कि उनके मुख्यमंत्री रहते हुए 300 करोड़ रुपये से ज्यादा का स्किल घोटाला हुआ। आंध्र प्रदेश सरकार के एडवाइजर रामाकृष्णा रेड्डी ने कहा, एन चंद्रबाबू नायडू को जमानत मिलने पर टीडीपी कह रही है कि सच की जीत हुई, लेकिन सत्य है कि घोटाला हुआ। सच ये है कि इसमें एन चंद्रबाबू नायडू मुख्य आरोपी है। कोर्ट ने नायडू को 31 अक्टूबर को नियमित जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया जाता है।

चीफ सेक्रेटरी ने दिल्ली को संकट में डाला : आतिशी

» हो सकती है पानी की भारी किल्लत, मंत्री ने लगाए फंड रोकने के आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में जल्द पानी की भारी किल्लत हो सकती है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने ये आशंका जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि चीफ सेक्रेटरी के कहने पर वित्त सचिव आशीष वर्मा ने अगस्त के बोर्ड के सारे फंड बंद कर दिए। वित्त मंत्री के लिखित आदेश की बाद भी वित्त सचिव फंड जारी नहीं कर रहे।

जल बोर्ड के पास सैलरी और रूटीन कामों के लिए भी पैसे नहीं है, सभी ठेकेदारों ने काम करने से मना कर दिया है, आने वाले दिनों में कई इलाक़ों में पानी की भारी किल्लत गंदा पानी और सीवर ओवरफ़्लो हो सकता है, ये एक इमरजेंसी जैसे हालात हैं, एलजी तुरंत हस्तक्षेप करें। आतिशी ने एलजी को बताया कि दिल्ली जल बोर्ड का 910 करोड़ रुपये बकाया है, जो वित्त विभाग जारी नहीं कर रहा, सूत्रों के मुताबिक- आतिशी ने बताया कि दिल्ली का वित्त विभाग जो दिल्ली जल बोर्ड को इंस्टॉलमेंट नियमित रूप से जारी करता है, उसके लिए फाइनेंस/प्लानिंग विभागों से अलग-अलग आपत्ति और सवाल आए, जिनका जल्द से जल्द जवाब दिया गया, लेकिन फिर भी जल बोर्ड का पैसा जारी नहीं किया गया। 15 नवंबर को इस मामले के समाधान के लिए आतिशी ने वित्तमंत्री के तौर पर बैठक बुलाई, लेकिन वित्त सचिव आशीष चंद्र वर्मा ने इसमें शामिल होने से मना कर दिया।

अगस्त 2023 में दिल्ली जल बोर्ड ने अपनी इंस्टॉलमेंट जारी करने के लिए कहा था, लेकिन अभी तक जारी नहीं की गई। 17 नवंबर को दिल्ली जल बोर्ड ठेकेदार वेलफेयर एसोसिएशन ने साफ कह दिया कि वह काम बंद कर देंगे। आतिशी ने फाइनेंस सेक्रेटरी आशीष चंद्र वर्मा को निलंबित करने और उनके ऊपर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की। मांग की कि दिल्ली जल बोर्ड का बकाया जल्द से जल्द जारी किया जाए।

बीजेपी को जनता देगी करारा जवाब : अजय

» बोले- हलाल व मदरसे के नाम पर करती है सिर्फ बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि 2024 के चुनाव में बीजेपी हटाओ देश बचाओ का माहौल देश मे देखने को मिलेगा। मैं चुनाव बनारस से ही लड़ूंगा.. मेरी जन्मभूमि है, जो मैं कभी नहीं छोड़ूंगा। पहले भी लड़ा हूं, राहुल गांधी के सवाल पर अजय राय ने दावा किया कि वह अमेठी से चुनाव जरूर लड़ेंगे, इस बार जनता बीजेपी को जरूर जवाब देगी।

हलाल मुद्दे पर राय ने कहा कि बीजेपी का काम है बवाल खड़ा करना। पहले मदरसा था और अब हलाल सर्टिफिकेट का मुद्दा उठा दिया गया। बीजेपी कभी रोजगार और महगाई पर बात नहीं करती। ये सिर्फ जनता को गुमराह करते है वर्ल्ड कप को लेकर देख ले अमित शाह और जय शाह दोनों मौदान मे थे, मुंबई में अजय राय ने कहा कि यहां मेरे आने से चुनाव मे उत्तर प्रदेश के लोगो का साथ जरूर मिलेगा। अजय राय ने यूपी में कानून व्यवस्था को लेकरयूपी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से बेकार हो चुकी है। कौशांबी जिले में अभी एक बेटी के साथ जो घटना हुई आरोपी जेल से बाहर निकाला और उसने उसे लड़की के टुक टुकड़े-टुकड़े कर दिए उत्तर प्रदेश सरकार के लिए शर्मनाक बात है। उत्तर प्रदेश में जंगल राज कायम है। यह दूसरी बार है, जब राय ने राहुल गांधी के अपने पुराने गढ़ अमेठी में लौटने की संभावना के बारे में बात की। राय ने राम मंदिर के उद्घाटन को एक राजनीतिक कार्यक्रम में बदलने का आरोप लगाते हुए भाजपा की आलोचना की।

यूपी में जंगल राज कायम

वरुण को तय करना है वह कहां जाएंगे

अजय राय ने वरुण गांधी के सवाल पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वरुण गांधी को पिछले कुछ सालों से साइड लाइन किया जा रहा है अब उनको तय करना है कि वह अभी भी वहां रहेंगे या जायेंगे यूपी में लोकसभा चुनाव के लिहाज से कांग्रेस की तैयारियों पर अजय राय ने कहा कि निश्चित तौर पर उत्तर प्रदेश का चुनाव कांग्रेस के लिए एक चैलेंज है. पिछली बार चुनाव नहीं जीत पाए थे इस बार हम चुनाव जीतेंगे। इससे पहले वरुण गांधी ने अपनी ही पार्टी बीजेपी पर हमला बोला था।

गहलोत, राजे और केसीआर में अब भी दम

राजस्थान व तेलंगाना में सत्ता की लड़ाई दिलचस्प, कांग्रेस, बीजेपी व बीआरएस जन-जन तक पंहुची, सत्ता बचाने व गिराने की कोशिश में जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मप्र व छत्तीसगढ़ में मतदान खत्म हो चुका है। अब देश के दोनों बड़ी पार्टियों भाजपा व कांग्रेस राजस्थान के रण के लिए अपने बांकुरों को मथ रहे हैं। प्रचार अभियान जोरों पर है। राज्य कोई ऐसा कोना नहीं है जहां दिग्गज से दिग्गज नेता चुनाव प्रचार न करने जा रहें हो। ऐसा ही कुछ नजारा तेलंगाना में है वहां पर बीआरएस कांग्रेस व बीजेपी के निशाने पर है। सबसे ज्यादा वहां पर सीएम केसीआर पर हमला हो रहा है। वहां उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं है। जहां राजस्थान में बीजेपी मोदी के नाम पर वोट मांग रही है पर राजस्थान के मन में अब भी वसुंधरा राजे का नाम चढ़ा है। उधर कांग्रेस ऐसा उम्मीद कर रही है कि अशोक गहलोत के जादू से वही अपनी सत्ता बरकरार रखेगी।

आज भी राजस्थान में खत्म नहीं हुई है गहलोत और वसुंधरा की राजनीति। सीएम पद हासिल करने के लिए दोनों नेताओं ने बनाई है रणनीति। देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति के दिग्गज खिलाड़ी अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर माना जाता है तो दूसरी ओर वसुंधरा राजे के बारे में कहा जाता है कि भाजपा में आखिरकार वही होता है जो महारानी चाहती हैं। राजस्थान में भाजपा व कांग्रेस दोनों ने घोषणा पत्र जारी कर जनता को लुभाने की कोशिश की है। राजस्थान विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी इस बात के लिए पूरी मेहनत कर रही है कि राज्य में हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज इस बार टूट जाये। वहीं भाजपा का प्रयास है कि हर पांच साल में सरकार बदलने के रिवाज का उसे लाभ हो लेकिन सीटों की संख्या इतनी ज्यादा मिले जिससे यह प्रकट हो सके कि अशोक गहलोत सरकार से जनता कितनी नाराज थी। राजस्थान में रिवाज बदलेगा या राज यह तो तीन दिसंबर को पता चलेगा। लेकिन एक बात तो है कि राजस्थान का चुनावी रण इस बार हाल के कई चुनावों से बदला-बदला नजर आ रहा है। राजस्थान में अरसे बाद ऐसा हुआ है जब भाजपा और कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह चुनाव से पहले तय नहीं है। लेकिन अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे यह मान कर बैठे हैं कि मुख्यमंत्री पद घूम फिरकर उनके पास आना ही है।

भाजपा ने भी कसी कमर

दूसरी ओर भाजपा की बात करें तो 2003 के बाद यह राजस्थान का पहला विधानसभा चुनाव है जिसमें भाजपा का नेतृत्व वसुंधरा राजे नहीं कर रही हैं। वसुंधरा राजे का नाम भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची में नहीं आना, परिवर्तन यात्राओं का नेतृत्व उन्हें नहीं दिया जाना, वसुंधरा समर्थक नेताओं कैलाश मेघवाल और युनूस खान जैसे वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटना तथा वसुंधरा समर्थक कुछ विधायकों की सीटों में परिवर्तन कर भाजपा नेतृत्व ने संकेत दे दिया था कि मुख्यमंत्री की कुर्सी वसुंधरा राजे से दूर हो गयी है। यही नहीं, भाजपा की पहली सूची आने के बाद जिस तरह वसुंधरा राजे को खुद का टिकट हासिल करने के लिए मशक्क त करनी पड़ी और एक जनसभा में अपनी रिटायरमेंट की बात तक कहनी पड़ी, वह दर्शाता है कि अपने राजनीतिक भविष्य का वसुंधरा राजे को अहसास हो चुका है लेकिन वह हार मानने के लिए कतई तैयार नहीं हैं।

कांग्रेस पूरी मेहनत में जुटी

कांग्रेस की ही बात करें तो अशोक गहलोत स्पष्ट कर चुके हैं कि वह तो मुख्यमंत्री पद छोड़ना चाहते हैं लेकिन यह पद उन्हें नहीं छोड़ता। यानि मतलब साफ है कि गहलोत मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बने हुए हैं। वहीं सचिन पायलट कह रहे हैं कि उनके सारे मुद्दे कांग्रेस आलाकमान ने सुलझा दिये हैं। इससे यह प्रतीत होता है कि उन्हें यह आश्वासन मिल गया है कि यदि कांग्रेस की सरकार दोबारा बनती है तो मुख्यमंत्री पद उन्हें ही मिलेगा। टिकट वितरण के दौरान भी जिस तरह गहलोत समर्थकों की बजाय सचिन खेमे के लोगों को तरजीह दी गयी उससे भी भविष्य के संकेत मिल गये थे लेकिन गहलोत फिलहाल सबकुछ चुपचाप देख रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उन्हें कब कौन-सा कदम उठाना है।

गहलोत व राजे में अच्छी जुगलबंदी

देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति के दिग्गज खिलाड़ी अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर माना जाता है तो दूसरी ओर वसुंधरा राजे के बारे में कहा जाता है कि भाजपा में आखिरकार वही होता है जो महारानी चाहती हैं। अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भले हों लेकिन दोनों को अच्छा मित्र भी माना जाता है। चुनाव के दौरान दोनों भले एक दूसरे पर निशाना साधें और भ्रष्टाचार के तमाम आरोप लगायें लेकिन अपने मुख्यमंत्रित्वकाल के दौरान दोनों एक दूसरे के खिलाफ कोई जांच नहीं कराते। यही नहीं, जब वसुंधरा विपक्ष में हों तब वह सुनिश्चित करती हैं कि उनकी पार्टी की वजह से गहलोत की मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कोई संकट नहीं आये। यही काम गहलोत विपक्ष में रहने के दौरान करते हैं। पिछले दिनों अशोक गहलोत ने खुद बताया था कि जब सचिन पायलट ने बगावत की थी तो वसुंधरा राजे ने भाजपा की ओर से उनकी सरकार गिराने की कोशिशों का विरोध किया था।

आलाकमान पर दबाव बनाने में माहिर दोनो नेता

अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे की राजनीतिक शख्सियत की बात करें तो दोनों नेताओं के आगे उनकी पार्टी का आलाकमान अब तक नतमस्तक होता रहा है। अशोक गहलोत का प्रभाव तब देखने को मिला था जब उन्होंने सचिन पायलट का साथ दे रहे कांग्रेस आलाकमान के समक्ष अपनी ताकत का खुलकर इजहार किया था। कांग्रेस के तत्कालीन केंद्रीय पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खरगे और अजय माकन मुख्यमंत्री निवास पर पार्टी विधायक दल की बैठक होने का इंतजार करते रह गये और बैठक कहीं और हो गयी थी। यही नहीं अशोक गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की बजाय राजस्थान का मुख्यमंत्री बने रहने को तवज्जो देकर गांधी परिवार को सकते में डाल दिया था। वहीं राजस्थान भाजपा में भी 2003 से वही होता रहा है जो वसुंधरा राजे चाहती रही हैं। वसुंधरा राजे के खिलाफ पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत और पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह जैसे दिग्गजों ने भी अभियान चलाया था लेकिन उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाये थे। किरोड़ी लाल मीणा और घनश्याम तिवाड़ी जैसे नेता वसुंधरा विरोध में भाजपा छोड़ गये लेकिन फिर वापस पार्टी में लौटना ही पड़ा। देखा जाये तो चाहे नेता प्रतिपक्ष का पद हो, मुख्यमंत्री पद हो, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद हो... भाजपा को आखिरकार वसुंधरा राजे की ही बात माननी पड़ती थी लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। बहरहाल, चाहे गहलोत हों या वसुंधरा, दोनों ही नेताओं की राजनीति को अभी खत्म नहीं समझा जा सकता। दोनों ही राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी हैं। दोनों ही नेता चुनावों की वजह से अभी ज्यादा बोल नहीं रहे हैं और आक्रामक तेवर नहीं दिखा रहे हैं लेकिन दोनों ही नेता जानते हैं कि अपनी अपनी पार्टी को जीत मिलने की स्थिति में मुख्यमंत्री पद तक कैसे पहुँचना है। दोनों ही नेता इसके लिए जमीनी स्तर पर काम भी कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि राजस्थान विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे की मुश्किल उतनी नहीं बढ़ा रहे हैं जितनी मुश्किल इन दोनों ही पार्टियों के बागी नेता, अधिकृत उम्मीदवारों की बढ़ा रहे हैं। माना जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ बागी उम्मीदवारों को खड़ा करने के पीछे कहीं ना कहीं अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे का ही हाथ है। दोनों नेताओं की रणनीति यह है कि उनकी पार्टी स्पष्ट बहुमत हासिल करने से कुछ पीछे रह जायें। यदि ऐसी स्थिति बनती है तो वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत को अपना राजनीतिक कौशल दिखाने का मौका एक बार फिर मिलेगा और अब सिर्फ यही वह रास्ता है जो उन्हें मुख्यमंत्री पद तक पहुँचा सकता है। देखना होगा कि वसुंधरा और गहलोत की यह आस पूरी होती है या फिर राजस्थान की जनता स्पष्ट बहुमत वाला जनादेश देती है। फिलहाल तो गहलोत और वसुंधरा का पूरा जोर अपनी अपनी सीट जीत कर विधानसभा पहुँचने पर लगा हुआ है।

मोदी ने राजस्थान को मथा, कांग्रेस को कोसा

राजस्थान के पालीबंगा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी सभा को संबोधित कर कहा कि 2014 के पहले भी हमारे यहां पद्म पुरस्कार दिए जाते थे। कोई पद्म भूषण, पद्म श्री, कोई पद्म विभूषण। लेकिन तब ये पद्म सम्मान उनको मिलते थे। जिनकी सत्ता में बैठे हुए लोगों तक उनकी पहुंच थी। आज स्थिति बदल गई है। गरीब से गरीब सही मायने में गांव-देहात में, जंगलों में मानव जाति के लिए, समाज के कल्याण के लिए समर्पित भाव से काम करता है। ऐसे लोगों को पद्म सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि जब समाज के ऐसे लोगों का सम्मान बढ़ता है तो समाज की भी शक्ति अनेक गुना बढ़ जाती है। वैसे ही शहरों में रेहड़ी वाले, ठेले वाले, पटरी पर काम करने वाले, जो सब्जी बेचते हैं, फल-फूल बेचते हैं, दूध बेचते हैं, अखबार बेचते हैं। वे भी छोटे-छोटे लोग स्वाभिमान के साथ जिएं, ऐसे मेहनतकश साथियों के बारे में पहले सरकारों को सोचने की फुरसत ही नहीं थी। उनके लिस्ट में ये काम ही नहीं थे। लेकिन आपके इस सेवक ने पीएम स्वनिधि योजना की मदद से आज ऐसे लाखों रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले सामान्य लोगों के जीवन को, उनके परिवार के जीवन को बदला है। उन्होंने कहा कि जिनको कोई नहीं पूछता, मोदी उनको पूछता भी और पूजता भी।

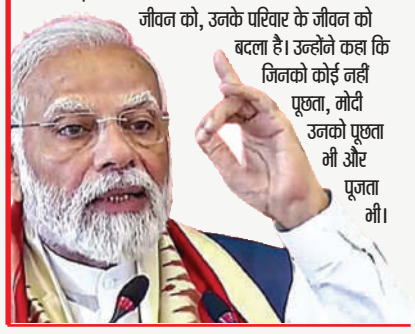

बीआरएस प्रमुख के पैतृक गांव में उत्साह क्षेत्र में और अधिक विकास की उम्मीद

जब केसीआर पहली बार मुख्यमंत्री बने तो पूरे गांव ने जश्न मनाया गया। अब हमारा सपना पूरा हो रहा है क्योंकि वह हमारे निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। यहां और अधिक विकास होगा।" रामा राव ने अपनी दादी की स्मृति में निजी खर्च पर 2.50 करोड़ रुपये की लागत से कोनापुर गांव में एक प्राथमिक विद्यालय का निर्माण कराया। कोनापुर गांव के पूर्व सरपंच चन्नगुर सइगौड ने बताया कि चुनाव आचार संहिता के कारण विद्यालय का उद्घाटन अभी नहीं किया गया है। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख के.चंद्रशेखर राव के कामारेड्डी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने से उनका पैतृक गांव कोनापुर भी सुर्खियों में बना हुआ है। इसकी वजह गांव का विकास है, तथा यहां के लोगों को उनसे और अधिक उम्मीदें हैं। बीआरएस प्रमुख गजवेल विधानसभा क्षेत्र से भी चुनाव लड़ रहे हैं। केसीआर के नाम से लोकप्रिय राव का जन्म 17 फरवरी 1954 को कोनापुर गांव में स्थित उनके नाना के घर में हुआ था। यह गांव 1950 में ऊपरी मनैर बांध के निर्माण के कारण आंशिक रूप से जलमग्न हो गया था। कुछ घर बच गये थे, जिनमें मुख्यमंत्री के नाना-नानी का घर भी शामिल था। राव के नाना-नानी के निधन के बाद गांव में उनका दो मंजिला मकान छोड़कर उनके माता-पिता तत्कालीन मेडक जिले के चिंतामदका गांव में आकर बस गये थे। इस समय केसीआर बहुत छोटे थे।

उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा और स्नातक सिद्दीपेट में और स्नातकोत्तर की पढ़ाई हैदराबाद में की। स्थानीय लोगों के अनुसार, राव के नाना-नानी का पुराना घर अब जर्जर हालत में है। पूर्व में कुछ नक्सली इसका आश्रय के रूप में इस्तेमाल करते थे। वर्तमान में इसके अंदर झाड़ियां उग आई हैं और सांपों का डेरा है। अब 69 वर्ष के बाद केसीआर अपनी जन्म भूमि को कर्म भूमि बनाने के लिए यहां वापस आ गए हैं। गजवेल के बाद कामारेड्डी दूसरा विधानसभा क्षेत्र है जहां से मुख्यमंत्री पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। यहां कांग्रेस के राज्य प्रमुख रेवंत रेड्डी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के के. वेंकटरमन रेड्डी से उनका मुकाबला है। मुख्यमंत्री के रिश्तेदार और वकील जी रामाराव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, "केसीआर का जन्म कोनापुर में हुआ था। गांव के डूबने के बाद उनके माता-पिता चिंतामदका चले गए, जबकि नाना-नानी कुछ समय तक वहीं रहे।"

गांव वाले सीएम के कामों से खुश

केसीआर 11 भाई-बहन (नौ बहन और दो भाई) हैं। इनमें से उनके बड़े भाई और चार बहनों का निधन हो चुका है। रामाराव ने बताया कि स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद से केसीआर की राजनीति में आने की रुचि थी और वह लोगों की नब्ज को अच्छी तरह से जानते हैं। गांव में लगभग 400 घर हैं और केसीआर ने गांव के विकास के लिए जो किया है उस पर स्थानीय लोग गर्व करते हैं। एक गृहिणी रजिता ने कहा, "यह एक छोटा सा गांव है और पहले इसके बारे में कोई नहीं जानता था। के.टी. रामा राव (केसीआर के बेटे) ने इस गांव को गोद लिया था। काफी विकास हुआ है। सड़कों और पुलों के निर्माण के कारण संपर्क सुविधा बेहतर हो गई है। नलों से साफ पानी मिल रहा है। हमें उम्मीद है कि आगे और भी विकास होगा।" वर्तमान सरपंच के बेटे बसवराज कहते हैं, "मुझे बचपन में बताया गया था कि केसीआर का जन्म इसी घर में हुआ था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जातिगत जनगणना से बिहार में जगी आगे बढ़ने की उम्मीद

विधेयक के अनुसार, एसटी के लिए मौजूदा आरक्षण दोगुना कर किया जाएगा जबकि एससी के लिए इसे 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 फीसदी किया जाएगा। वहीं, ईबीसी के लिए आरक्षण 18 फीसदी से बढ़ाकर 25 प्रतिशत तो ओबीसी के लिए आरक्षण को 12 फीसदी से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सदन में प्रस्ताव रखा कि सर्वेक्षण के मुताबिक एससी जो आबादी का 19.7 प्रतिशत है

बिहार में अब उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में पिछड़े लोगों की सामजिक व आर्थिक स्थिती मजबूत होगी। राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने बिहार में नई आरक्षण नीति को मंजूरी दे दी है। राज्यपाल ने आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर कर सरकार को लौटा दिया है। आरक्षण विधेयक को राज्यपाल के स्तर से मंजूरी मिलने के बाद गैजेट जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही आरक्षित वर्ग के लोगों को 65 फीसदी आरक्षण देने का रास्ता साफ हो गया है। इसके साथ ही बिहार में सभी सरकारी नौकरियों और सभी सरकारी संस्थानों में एडमिशन प्रक्रियाओं में आरक्षित वर्ग के लोगों को 65 फीसदी और 10 फीसदी आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आरक्षण मिलने का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अति पिछड़ा वर्गों (ईबीसी) एवं अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) के लिए आरक्षण की मौजूदा सीमा 50 फीसदी को बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरियों में इन वर्गों के आरक्षण को बढ़ाने के प्रस्ताव वाले विधेयकों को विधानसभा ने ध्वनि मत के जरिए सर्वसम्मति से पारित कर दिया। विधेयक के अनुसार, एसटी के लिए मौजूदा आरक्षण दोगुना कर किया जाएगा जबकि एससी के लिए इसे 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 फीसदी किया जाएगा। वहीं, ईबीसी के लिए आरक्षण 18 फीसदी से बढ़ाकर 25 प्रतिशत तो ओबीसी के लिए आरक्षण को 12 फीसदी से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सदन में प्रस्ताव रखा कि सर्वेक्षण के मुताबिक एससी जो आबादी का 19.7 प्रतिशत है, को 20 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए जो मौजूदा 16 प्रतिशत से अधिक है। एसटी, जिनकी जनसंख्या में हिस्सेदारी 1.7 प्रतिशत है, का आरक्षण एक प्रतिशत से दोगुना कर दो प्रतिशत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ओबीसी जो आबादी का 27 प्रतिशत है और उन्हें 12 प्रतिशत आरक्षण मिलता है जबकि अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) जो कि आबादी का 36 प्रतिशत हैं, उन्हें 18 प्रतिशत आरक्षण मिलता है। नीतीश ने प्रस्ताव रखा कि दोनों समुदायों को एक साथ 43 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए। इन बढ़ोतरी में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण शामिल नहीं है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि ईडब्ल्यूएस कोटा के साथ बिहार का प्रस्तावित आरक्षण 75 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। इससे पहले हाल ही में राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने अन्य तीन विधेयकों में 2023 को मंजूरी दी थी, जिन पर राज्यपाल की स्वीकृति मिलनेके बाद गजट प्रकाशित कर दिया था।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बदलते हालात में युवाओं का कनाडा से मोहभंग

अमरजीत भुल्लर

पिछले करीब पांच दशकों से यही माना जाता था कि जो कोई भी कनाडा जाकर बसा, उसका अनुभव आमतौर बढ़िया रहा। अपना भविष्य संवारने को विदेश जाकर बसने को कनाडा एक तरजीही गंतव्य था। लेकिन अब वहां के हालात बहुत कठिन हैं। प्रवासी या तो अन्य देशों का रुख करने लगे हैं या फिर वतन लौटना पड़ रहा है। 'द लिकी बकेट : स्टडी ऑफ इमीग्रेंट रिटेन्शन ट्रेंड्स इन कनाडा' शीर्षक से हालिया अध्ययन बताता है कि अस्सी के दशक से कनाडा छोड़ अन्य देशों में बसने वाले आप्रवासियों की संख्या में बढ़ोतरी होती चली गई। यह संख्या वर्ष 2017 और 2019 के बीच सर्वाधिक रही। कोविड महामारी के बाद इनकी गिनती ज्यादा रहनी स्वाभाविक थी क्योंकि कनाडा की आर्थिकी में ह्रास हुआ है।

आप्रवासियों का कनाडा से पलायन या फिर मूल-राष्ट्र वापसी की दर बढ़ने से आयु वर्गों के बीच अनुपात संतुलन पर नकारात्मक असर पड़ना लाजिमी है। वर्ष 2010 में कुल जनसंख्या में 65 साल या उससे बड़े लोगों की संख्या 14.1 प्रतिशत थी, जो कि 2022 में बढ़कर 19 फीसदी हो गई। यदि आगंतुक आप्रवासियों के प्रवाह पर ऐसे ही अंकुश रहा तो यह अनुपात अंतर और चौड़ा होगा। इससे सरकार के कर-संग्रहण एवं व्यय खाते पर बहुत फर्क पड़ता है क्योंकि करदाताओं की संख्या कम हो रही है और पेंशनभोगियों या फिर गुजर-बसर के लिए मदद के पात्रों की गिनती बढ़ रही है। बुजुर्ग वर्ग के बढ़ते अनुपात से स्वास्थ्य सेवा ढांचे पर और बोझ पड़ेगा।

इस स्थिति ने सरकार और नीति-निर्धारकों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। नीति-निर्धारक कनाडा में युवा कार्यबल बढ़ाने को विभिन्न आप्रवास नीतियों के जरिये युवाओं को बुलाने पर निर्भर हैं। इस नीति के तहत जो अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी पढ़ाई पूरी कर ले और शिक्षा उपरांत कार्यानुभव की न्यूनतम अविध की शर्त भी पूरी करता हो, उसे स्थाई-निवास अनुमति (पीआर) पाने की पेशकश होती है। वर्ष 2024 में 4,85,000 और 2025 में 5,00,000 पीआर परमिट देना तय किया गया है।

कनाडा के नए आप्रवासियों का समूह उच्च कौशल कर्मी, अस्थाई विदेशी कामगार और अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों से मिलकर बना है। प्रत्येक श्रेणी को अलग किस्म की मुश्किलें दरपेश हैं। जो उच्च-कौशल कर्मी बड़े उत्साह से कनाडा में भविष्य बनाने पहुंचे थे, यहां आने के बाद उन्हें भी मुश्किलें हो रही हैं। नियमानुसार

जरूरी कौशल और अनुभव होने के बावजूद उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में सुरक्षित काम मिलना मुश्किल है। वे कम मेहनताना कबूल कर रहे हैं। अधिकांश कनाडाई नियोक्ता नए आप्रवासियों की अपने मूल देश में पाई शिक्षा और कार्यानुभव को मान्यता नहीं देते। कुछ नौकरी प्रदाताओं की तरजीह उत्तरी अमेरिका से पढ़कर आने वालों को रखने पर है। यहां कार्य-लाइसेंस प्रक्रिया जटिल व महंगी है और पूरी होने में काफी वक्त भी लगता है। कनाडा सरकार द्वारा नियमों मे ढील देकर, दाखिले के तुरंत बाद शिक्षा-परिसर से बाहर अस्थाई काम करने की अनुमति देने के बाद अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या बढ़ने लगी। अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों की आमद से कनाडाई अर्थव्यवस्था बहुत लाभान्वित होती है। वर्ष 2022 में शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा-परमिट पाए विद्यार्थियों की संख्या 8 लाख से अधिक थी। उस साल अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के आने से कनाडाई अर्थव्यवस्था में करीब 22 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ, और 2 लाख से अधिक स्थानीय लोगों की आय का सबब बना।

आमतौर पर नियोक्ता अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों को न्यूनतम वेतन देते हैं, लिहाजा यह छोटे दुकानदारों का कम श्रमिक खर्च में अधिक मुनाफा बनाने में सहायक होता है। दो साल की पढ़ाई और एक साल कनाडा में कार्य-अनुभव के बाद कोई विद्यार्थी पीआर पाने योग्य हो जाता है, लेकिन पीआर उन्हें मिलती है जिनका कॉम्प्रिहेंसिव रैंकिंग सिस्टम (सीआरएस) में तयशुदा स्कोर बनता हो। जिसके आधार पर आंकलन कर एक्सप्रेस एंट्री पूल के लिए स्कोर और रैंकिंग निर्धारण किया जाता है। सीआरएस स्कोर आवेदक की क्षमताएं जैसे भाषा बोलने-समझने की काबिलियत, शिक्षा, कार्यानुभव और उम्र से जुड़ा है। साल 2022 के लिए, हरेक पूल में सीएसआर स्कोर की न्यूनतम योग्यता विभिन्न चक्र में अलग-अलग है, प्रत्येक चक्र में न्यूनतम सीएसआर स्कोर का कट-ऑफ अधिकांशत: 491 से 557 के बीच रखा गया है। किसी पूल में कट-ऑफ वैल्यू, आवेदनकर्ताओं की कुल संख्या, उनके सीएसआर स्कोर और आव्रजन विभाग ने कितने आवेदन पाने को मंजूरी दी है, इनके मद्देनजर तय होती है। बीते तेईस अक्टूबर तक पूल में 2,14,874 आवेदन आए और इनमें केवल 3600 युवाओं को, जिनका सीएसआर स्कोर 431 से ऊपर रहा, अगले चयन चक्र के लिए बुलाया गया। अन्य रोजगार क्षेत्र में भी कामगारों की जरूरत न्यूनतम होने के कारण, आवेदकों को अन्य तरीकों से अतिरिक्त अंक हासिल करने में हो सकता है कई महीने या फिर कई साल इंतजार करना पड़े।

डीपफेक के इस दौर में आंखों देखी घटना पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता

ललित गर्ग

डीपफेक व्यक्तिगत जीवन से आगे बढ़कर अब राजनीतिक एवं वैश्विक सन्दर्भों के लिये एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है। 21वीं सदी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या एआई) तकनीक के आगमन ने अगर सुविधाओं के नए रास्ते खोले हैं तो दुनियाभर में चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। इस तकनीक का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है, एआइ के जरिए डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं। गलत सूचनाएं, ऑडियो-वीडियो और तस्वीरें फैलाने वालों के हाथों में एआइ ने खतरनाक उस्तरा थमा दिया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा एवं राजनीतिक मुद्दों के साथ व्यक्तिगत छवि को घूमिल करने का हथियार बनकर अनेक चिन्ताओं को बड़ा रहा है और बड़े संकट का सबब बनता जा रहा है। डीपफेक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी नहीं बक्शा है, उन्हें भी परेशान कर दिया है। उनका एक वीडियो इन दिनों यू-ट्यूब सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर खूब चर्चित हो रहा है, इसमें उनको गरबा करते दिखाया गया है। ये पूरा वीडियो डीपफेक नाम की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार किया गया है। इसी तरह देश एवं विदेश की अनेक हस्तियों के अनेक अश्लील एवं राजनीतिक डीपफेक व्यापक स्तर पर प्रसारित हो रहे हैं।

डीपफेक एक ऐसी तकनीक है जिसमे आप कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद एवं तकनीक से वीडियो, तस्वीरों और ऑडियो में हेरफेर कर सकते है। इस तकनीक की मदद से आप किसी दूसरे व्यक्ति की फोटो या वीडियो पर किसी और का चेहरा लगाकर उसे पूरी तरह से बदल भी सकते है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसका सबसे ज्यादा इस्तेमाल लगभग 96 प्रतिशत के आसपास अश्लील सामग्री बनाने में होता है। कुछ लोग इसका इस्तेमाल अपने मर चुके रिश्तेदारों की तस्वीरों को ऐनिमेट करने में भी करते हैं लेकिन अब डीपफेक कंटेंट का इस्तेमाल देश एवं विदेश की राजनीति में भी होने लगा है। राजनीतिक पार्टियाँ अपने चुनावी प्रचार में इस तकनीक का जमकर इस्तेमाल कर रही है। आम जनता को गुमराह करने एवं बड़ी हस्तियों की छवि एवं प्रतिष्ठा को धूमिल करने में अब इस तकनीक का व्यापक उपयोग होने लगा है। अनेक फिल्मी हस्तियों विशेषत: हीराइनों की अविश्वसनीय अश्लील एवं नग्न वीडियो बड़ी संख्या में आनलाइन आसानी से देखी जा सकती हैं। पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद फोटोज की मदद से आसानी से डीपफेक वीडियो बनाया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब कोई नौसिखिया भी आसानी से फर्जी वीडियो बनाकर सच और झूठ का फर्क मिटा सकता है, किसी भी वीडियो पर झट से भरोसा ना करें क्योंकि डीपफेक वीडियोज से घिरी वर्चुअल दुनिया में आंखों देखा सबकुछ हमेशा सच नहीं होता।

देश-विदेश में कई प्रतिष्ठित हस्तियां डीपफेक वीडियो का शिकार हो चुकी हैं। कई विदेशी हस्तियों के भी डीपफेक वीडियो सामने आ चुके हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के डीपफेक वीडियो में तो वे रूस से लड़ रही अपनी सेना को सरेंडर करने के लिए कह रहे हैं। इजरायल-हमास युद्ध के भी कई डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। तभी मोदी ने भी डीपफेक को देश के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बता इसके खिलाफ जनता को शिक्षित एवं सावधान करने पर जोर दिया है। भारत के लिये यह बड़ा खतरा इसलिये भी है क्योंकि भारत विविधता वाला देश है, यहां की जनता छोटी-छोटी बातों पर भावुक हो जाती है एवं भड़क जाती है। असली एवं नकली यानी डीपफेक का पता लगाने के लिये सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपेक्षा है। अगर वीडियो में आँख और नाक कहीं और जा रही है या वीडियो में पलक नहीं झपकाई गई है तो समझ जाइए यह डीपफेक कंटेंट है। कंटेंट की कलरिंग को भी देखकर पता लग सकता है कि तस्वीर या वीडियो में छेड़छाड़ हुई है। ढेरों चर्चित महिला हस्तियों एवं सिने कलाकारों के चेहरे डीपफेक टेक की मदद से पॉर्न वीडियोज पर लगाकर उन्हें ऑनलाइन शेयर किया जा रहा है। पॉप्युलर अमेरिकन अडल्ट साइट की ट्रेंडिंग टैग्स रिपोर्ट दिखाती है कि ऐसे वीडियोज पिछले कुछ महीने में तेजी से चर्चित हुए हैं और इन्हें व्यापक रूप में सर्च किया जा रहा है या देखा जा रहा है। इस टेक से किसी का फेक न्यूड वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल भी किया जा सकता है और ऐसे मामले सामने आए भी हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जैसे-जैसे यह टेक्नॉलजी पॉप्युलर होगी, इसका गलत इस्तेमाल और ऐसे क्राइम भी बढ़ते जाएंगे।

कृत्रिम बुद्धि, कंप्यूटर विज्ञान की एक शाखा है जो मशीनों और सॉफ्टवेयर को बुद्धि के साथ विकसित करता है। 1955 में जॉन मैकार्थी ने इसको कृत्रिम बुद्धि का नाम दिया। कृत्रिम बुद्धि अनुसंधान के लक्ष्यों में तर्क, ज्ञान की योजना, सीखने, धारणा और वस्तुओं में हेरफेर करने की क्षमता, आदि शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धि का दावा इतना है कि मानव की बुद्धि का मशीन द्वारा अनुकरण किया जा सकता है। बिजली के बल्ब और मूवी कैमरे के आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने कहा था कि हर नई तकनीक सुविधाओं के साथ कुछ नकारात्मक पहलू भी लाती है। नित नई तकनीक के दौर से गुजर रही दुनिया में उनका कथन प्रासंगिक बना हुआ है। एआई तकनीक के आगमन ने अगर सुविधाओं के नए रास्ते खोले हैं तो दुनियाभर में चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। इस तकनीक का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है। किसी भी बात या घटना के सच होने का सबसे बड़ा सबूत उसके किसी वीडियो को माना जाता रहा है लेकिन अब चीजें बदल गई हैं।

कोई पेट पाल सकते हैं

अगर आप अकेले रहते हैं या आपको लोगों से मिलना जुलना ज्यादा पसंद नहीं है, तो आप कोई पेट पाल सकते हैं। कुत्ता इसके लिए सबसे बेहतर विकल्प है क्योंकि अकसर आपके मूड को पहचान आपका मन बहलाने में मदद कर सकते हैं। इनके साथ खेलना और घूमना आपकी मेंटल हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। अपने पेट्स को टहलाने, घुमाने या फिर उनके साथ कोई गेम खेलने के लिए आपको भी उनके साथ लगना पड़ता है, जिससे आपकी भी कसरत हो जाती है। अध्ययनों में पाया गया है कि, जिन लोगों के पास पेट नहीं है उनकी तुलना में जिनके पास पेट हैं उनमें शारीरिक गतिविधि होने की संभावना ज्यादा होती है। व्यायाम के अलावा, कुत्ते दिल की सेहत को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकते हैं। शोध से पता चला है कि कुत्ता पालने से ब्लड प्रेशर कम हो सकता है, कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो सकता है और हार्ट डिजीज का खतरा भी कम हो सकता है।

थेरेपी लें

अगर आपको सहायता की जरूरत लगती है, तो प्रोफेशनल की मदद ले सकते हैं। थेरेपी लेने से आपकी मेंटल हेल्थ के साथ क्या समस्या है, क्यों आप अकेलापन महसूस करते हैं, जैसे कठिन सवालों के जवाब ढूंढ पाएंगे और साथ ही इस कंडिशन को सुधारने के लिए क्या जरूरी कदम उठाने हैं, इस बारे में बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। आजकल बेटरहेल्प और टाकस्पेस जैसी कई ऐप्स उपलब्ध हैं जो सही थेरेपी और थेरेपिस्ट दोनों ढूंढने में मददगार हैं। इन ऐप्स पर ऑनलाइन थेरेपी सेशंस भी होते हैं जो बेहतर समझ बनाने में मदद करते हैं।

अकेलापन है जानलेवा

बचने के लिए करें ये उपाय

हाल ही में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने अकेलेपन हमारी सेहत के लिए घातक बताया है। अपनी आवर एपिडेमिक ऑफ ग्लोबल लोनलीनेस और आइसोलेशन नाम की रिपोर्ट के मुताबिक अकेलापन एक दिन में 15 सिग्रेट पीने जितना खतरनाक हो सकता है। इस वजह से दिल की बीमारियां, स्ट्रोक, डिमेंशिया, डिप्रेशन, एंग्जायटी और प्रीमेच्योर डेथ का खतरा रहता है। लगभग 5-15 प्रतिशत टीनेजर्स अकेलेपन से जूझ रहे हैं और यह संख्या बढ़ सकती है। अकेलेपन की वजह से व्यक्ति के रोज के जीवन पर भी काफी गहरा प्रभाव पड़ता है। उसके काम, खान-पान और व्यवहार पर इसका काफी नकरात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए अकेलेपन की इस समस्या से कैसे डील करें यह समझना बहुत जरूरी है।

खुद से रिश्ता मजबूत करें

ऐसा बिल्कुल नहीं है कि आपके बहुत सारे दोस्त होंगे या आप हमेशा लोगों से घिरे रहेंगे, तो अकेला महसूस नहीं करेंगे। इसलिए खुद से रिश्ता मजबूत करना बहुत जरूरी है। कई बार हम खुद को कम करके आंकते हैं इसलिए दूसरों से खुद को वैलिडेट कराने की कोशिश करते रहते हैं। इसलिए जरूरी है कि सेल्फ लव यानी खुद से प्यार करना सीखा जाए। आप जैसा खुद के साथ व्यवहार करेंगे, वैसा ही दूसरे भी करेंगे।

अपने दोस्तों से रिश्ते बेहतर बनाएं

अक्सर हमारे पास दोस्त तो होते हैं लेकिन हम उनसे ज्यादा मिलते-जुलते नहीं है या ज्यादा बात नहीं करते हैं। यह हमारे रिश्तों को कमजोर बनाता है और धीरे-धीरे हमारे दोस्त हम से दूर होते जाते हैं। इसलिए अपने पुराने दोस्तों से रिश्ते गाढ़े करने की कोशिश करें। इससे आपकी मेंटल हेल्थ पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

करें बात

अगर आपको अकेलापन महसूस हो रहा है, तो आप अपने परिवार के किसी सदस्य या दोस्त से बात कर सकते हैं। इससे आप क्या महसूस कर रहे हैं, यह बेहतर तरीके से समझ पाएंगे और आपका स्ट्रेस भी काफी हद तक कम होगा। यह आपकी मेंटल हेल्थ के लिए आपकी तरफ से किसी गिफ्ट से कम नहीं होगा क्योंकि अब आप अकेले नहीं, अपने सपोर्ट सिस्टम की मदद से अपनी परेशानियों को सुलझा सकते हैं।

हंसना मना है

संता- इतनी देर से तुम क्या सोच रहे हो? बंता- जानते हो कल रात की आंधी में एक टी शर्ट मेरे घर आकर गिर गई। संता- तो इसमें क्या हुआ? बंता- सोच रहा हूं कि मैचिंग पैंट ले लूं या फिर एक और आंधी का इंतजार करूं।

एक मुर्गी ने एक बाज से शादी कर ली, तो एक मुर्गा बोला- हम मर गये थे क्या? मुर्गी बोली- मैं तो तुमसे ही शादी करना चाहती थी, लेकिन मां-बाबूजी चाहते थे कि मेरा पति एयरफोर्स में हो।

मां- बेटा क्या कर रहे हो? बेटा- पढ़ रहा हु मां.. मां- शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा- आपकी होने वाली बहु के एसएमएस, दे थप्पड़, दे थप्पड़!

पति और पत्नी का ज़ोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से- तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके- अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

लड़की वाले बेटी के लिए लड़का देखने गए, लड़की वाले- कितना कमा लेते हो? लड़का- इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले- फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया, और सारी कमाई चली गयी।

कहानी — मानव धर्म ही सर्वोपरि

एक बार एक विदेशी को अपराधी समझ कर जब एक राजा ने फांसी का हुक्म सुनाया तो उस अपराधी ने अपशब्द कहते हुए राजा के विनाश की कामना की। राजा ने अपने मंत्री से, जो कई भाषाओं का जानकार था, पूछा- यह क्या कह रहा है? मंत्री ने विदेशी की गालियां सुन ली थीं, किंतु उसने कहा- महाराज! यह आपको दुआएं देते हुए कह रहा है- आप हजार साल तक जिएं। राजा यह सुनकर बहुत खुश हुआ, लेकिन एक अन्य मंत्री ने जो पहले मंत्री से ईर्ष्या रखता था, आपत्ति जताते हुए कहा- महाराज! यह आपको दुआ नहीं गालियां दे रहा है। क्योंकि दूसरा मंत्री भी बहुभाषी था। उसने पहले मंत्री की निंदा करते हुए कहा- ये मंत्री जिन्हें आप अपना विश्वासपात्र समझते हैं, असत्य बोल रहे हैं। राजा ने पहले मंत्री से बात कर सत्यता जाननी चाही, तो वह बोला- हां महाराज! यह सत्य है कि इस अपराधी ने आपको गालियां दीं और मैंने आपसे असत्य कहा। पहले मंत्री की बात सुनकर राजा ने कहा- तुमने इसे बचाने की भावना से अपने राजा से झूठ बोला। मानव धर्म को सर्वोपरि मानकर तुमने राजधर्म को पीछे रखा। मैं तुमसे बेहद खुश हुआ। फिर राजा ने विदेशी और दूसरे मंत्री की ओर देखकर कहा- मैं तुम्हें मुक्त करता हूं। क्योंकि निर्दोष होने के कारण ही तुम्हें इतना क्रोध आया कि तुमने राजा को गाली दी और मंत्री महोदय तुमने सच इसलिए कहा- क्योंकि तुम पहले मंत्री से ईर्ष्या रखते हो। ऐसे लोग मेरे राज्य में रहने योग्य नहीं। तुम इस राज्य से चले जाओ। राजा ने दूसरे मंत्री को राज्य से बाहर कर दिया। क्योंकि वस्तुतः दूसरों की निंदा करने की प्रवृत्ति से अन्य की हानि होने के साथ-साथ स्वयं को भी नुकसान ही होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियां अच्छा मौका साबित होंगी अविवाहितों के लिए विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं।

वृषभ — आज आपकी संतान के द्वारा किए गए कार्यों से आपको हर्ष होगा विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में अधिक मेहनत करनी पड़ेगी, तभी वह सफलता पा सकेंगे।

मिथुन — आज व्यापार में अच्छी गति से आपको लाभ होगा कुछ काम अटक सकते हैं लेकिन जीवनसाथी की मदद से अपने कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

कर्क — रुकावटों और हर तरह की परिस्थितियों के बावजूद आपका ध्यान काम पर ही रहेगा किसी खास क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिये तत्पर रहेंगे।

सिंह — आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने से आप अपने आप को सफल महसूस करेंगे।

कन्या — आज दूसरों के साथ तालमेल बेहतर बना रहेगा आर्थिक स्थिति मजबूत होगी मेहनत का सुखद परिणाम हासिल होगा किसी कलात्मक चीज के प्रति अधिक झुकाव होगा।

तुला — व्यवसाय में सफलता मिलेगी जॉब में संघर्ष रहेगा स्टूडेंट्स सफल रहेंगे आज प्रॉपर्टी में मिले-जुले असर के बावजूद प्रोफेशन और आर्थिक मामले में फायदा मिलने की उम्मीद है।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति का दिन रहेगा आज आपको अपनी ससुराल पक्ष से कोई वस्तु अथवा धन प्राप्त हो सकता है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में बॉस से आपको पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा लवमेट कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे इस बीच आपको कुछ रोचक अनुभव भी मिलेंगे।

मकर — आज आपके ऊपर महालक्ष्मी जी की खास कृपा दृष्टि बनी रहेगी आज किसी करीबी की ओर से उम्मीद के अनुसार सहयोग न मिलने से आप कुछ उदास रहेंगे।

कुम्भ — आज आपको किसी भी कार्य करने से पहले धैर्य को बनाए रखना होगा, तभी आप कार्य को सफल कर पाएंगे, इसलिए जल्दबाजी में आज कोई भी निर्णय न ले।

मीन — आज आपके सभी काम सरलता से पूरे होंगे लेकिन तभी जब आप उचित दिशा में मेहनत करें आपको कुछ नए विचारों पर काम करने की जरूरत है।

शाहरुख-सलमान के काम करने का अलग है तरीका : कटरीना

अभिनेत्री कटरीना कैफ इन दिनों फिल्म टाइगर 3 में नजर आ रही हैं। वर्ल्डवाइड यह फिल्म 400 करोड़ क्लब में शामिल होने की तरफ बढ़ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अब तक यह फिल्म वर्ल्डवाइड 373 करोड़ का कारोबार कर चुकी है। इस फिल्म में सलमान खान लीड रोल में हैं। वहीं शाहरुख खान भी स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए हैं। हाल ही में कटरीना ने सलमान और शाहरुख खान के काम करने के स्टाइल पर बात की। कटरीना कैफ ने सलमान खान की तारीफ करते हुए कहा कि वह बेहद सहज रहते हैं। यह उनकी सबसे बड़ी खूबी है। वह किसी चीज को लेकर एक निश्चित तरीके से नहीं रहते हैं और न ही इसका बोझ रखते हैं। वह बहुत सहज रहते हैं और स्क्रीन पर भी अपने अंदाज में ही नजर आते हैं। शाहरुख खान को लेकर अभिनेत्री ने कहा, उनका फोकस और समर्पण देखने लायक होता है। वह सेट पर हर रोज किसी न्यूकमर की तरह इसी समर्पण के साथ आते हैं। इसी अंदाज में हर सीन और शॉट देते हैं। मुझे याद है जीरो के दौरान वह मुझे तब भी सलाह देते थे, जब वह ऑन स्क्रीन नहीं होते थे। फिल्म टाइगर 3 में कटरीना एक बार फिर जोया के किरदार में नजर आई हैं। उनके अभिनय और एक्शन सीक्वेंस की काफी तारीफ हो रही हैं। कटरीना ने अपने किरदार की तैयारी काफी मेहनत से की। अभिनेत्री ने बताया, जब भी टाइगर की बात आती है तो मैं खुद ही शारीरिक तौर पर उस जोन में आ जाती हूं। फिल्म टाइगर 3 की बात करें तो यह यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पांचवी फिल्म है और टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी। सलमान खान और कटरीना कैफ के अलावा इमरान हाशमी भी इस फिल्म में अहम रोल में नजर आए हैं। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म अब तक 236.43 करोड़ रुपये कमा चुकी है। अब मैरी क्रिसमस कटरीना की आगामी फिल्म है।

नरगिस ने रणबीर-शाहिद संग अफेयर की बात पर कहा-

अफवाहों के मुताबिक मैं फिल्म उद्योग के हर दूसरे व्यक्ति के साथ जुड़ी हुई थी

बॉलीवुड अभिनेत्री नरगिस फाखरी ने फिल्म रॉकस्टार से रणबीर कपूर के साथ अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। हाल ही में अभिनेत्री ने रणबीर कपूर और शाहिद कपूर के साथ अपने लिंक-अप की खबरों पर खुलकर बात की है। नरगिस ने बताया कि अफवाहों के मुताबिक तो वह अब तक अपने कई इंडस्ट्री सहयोगियों के साथ प्यार से जुड़ी हुई थीं। नरगिस फाखरी ने हाल ही में लिंक-अप की अफवाहों को लेकर कहा, मैं फिल्म उद्योग में हर दूसरे व्यक्ति के साथ जुड़ी हुई थी और यह मुझे पागल कर देता था। एक बार एक लेख आया था जिसमें कहा गया था कि मैं शाहिद कपूर के अपार्टमेंट में चली गई और मेरी मां भी उनसे मिलने के लिए आईं। लोगों ने मुझे मैसेज करके पूछना शुरू कर दिया था, कि क्या तुम्हारी मां शहर में हैं? और मेरी मां तो यहां कभी आईं ही नहीं। इसलिए, मुझे इन सब की आदत डालनी पड़ी। अभिनेत्री ने बातचीत के दौरान एक घटना को याद करते हुए खुलासा किया कि कैसे एक बार एक रिपोर्टर ने उनसे बॉलीवुड स्टार्स के साथ एंजॉय करने को लेकर सवाल किया था। नरगिस ने बताया, एक रिपोर्टर मेरे पास आई और बोली कि बी-टाउन के स्टार्स के साथ एंजॉय करना कैसा है? उसने इसे इस तरह से कहा जैसे वह कुछ संकेत दे रही हो और यही वह समय था जब इस तरह के तमाम लेख सामने आ रहे थे। नरगिस ने आगे कहा, मैंने उस रिपोर्टर से बस इतना कहा कि मैं इंतजार कर रही हूं कि तुम मुझे समलैंगिक बनाओ। यह सुनकर उसका चेहरा उतर गया और वह बाहर चली गई। इसके बाद उसने इसकी हेडलाइन बना दी और मैं मुसीबत में पड़ गई। नरगिस फाखरी ने वर्ष 2011 में रणबीर कपूर की रॉकस्टार से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

एमी अवॉर्ड पाने वाली पहली इंडियन हैं एकता कपूर

इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में इस बार भारतीय कंटेंट और भारतीयों का भी जलवा देखने को मिला। मशहूर बिजनेस वुमन एकता कपूर को 51वें एमी अवॉर्ड्स में सम्मानित किया गया। एकता पहली और एकमात्र इंडियन हैं, जिन्हें एमी अवॉर्ड मिला है। ऐसे में ये पल उनकी फैमिली के साथ ही फैंस के लिए भी गर्व वाला है। एकता कपूर ने इस अवॉर्ड की क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए दिल को छू देने वाली बात कही। न्यूयॉर्क में आयोजित किए गए 51वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में 14 अलग-अलग कैटेगरी में नॉमिनेशन्स रखे गए थे। इन सबके बीच फेमस प्रोड्यूसर और फिल्ममेकर एकता कपूर को आर्ट्स और एंटरटेनमेंट की फील्ड में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवॉर्ड को रिसीव कर एकता कपूर इमोशनल हो गईं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा, यह आपके लिए है, भारत। हम आपकी एमी को घर ला रहे हैं। एकता ने कहा, अपनी-अपनी 18 की उम्र में हम दोनों अपनी-अपनी आइडेंटिटी ढूंढने निकले थे। मुझे आज भी याद है जब हमने लोगों को कहा कि हम प्रोड्यूसर बनना चाहते हैं। तब लोग हैरान थे क्योंकि प्रोड्यूसर का मतलब उन दिनों में सिर्फ मेल से जुड़ा होता है। लेकिन कुछ वर्षों में महिलाओं के रिप्रेजेंटेशन का तरीका बदला है। मैं मेरी पिता और भाई को धन्यवाद करना चाहती हूं, जो मुश्किल वक्त में मेरे साथ खड़े रहे। मैं अपने बेटे और भतीजे लक्ष्य को भी धन्यवाद करना चाहती हूं, जिन्होंने मुझे सिखाया कि सबसे मुश्किल पास्ट कभी-कभी करिश्मा कर देता है। मैं अपने दोस्तों तरुण और रिद्धी, प्रोड्यूसर्स, डायरेक्टर्स और इंडियन फिल्म फैटरनिटी को भी धन्यवाद करना चाहती हूं, जिनके लिए और जिनकी वजह से मैं यहां खड़ी हूं। मैं हमारी कंट्री इंडिया को भी धन्यवाद करना चाहती हूं क्योंकि इसमें मैं अपना रिफ्लेक्शन देखती हूं।

अजब-गजब

प्रेग्नेंट हुई कैदी, तो सजा कर दी माफ!

देश की आबादी बढ़ाने का है अजीबोगरीब तरीका!

पिछले दिनों चीन से जुड़ी एक खबर ने सभी को चौंका दिया था क्योंकि चीन में दो की जगह तीन बच्चों को पैदा करने की पॉलिसी सरकार ने बनाई थी आबादी घटने की वजह से ऐसा कई देशों में होता रहा है कि वो अपने यहां के नागरिकों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करते हैं पर इन दिनों एक देश के काफी चर्चे हैं जहां के चर्चित नेता ने आबादी बढ़ाने का ऐसा अजीबोगरीब तरीका सुझाया है, जिसके बारे में जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे। डेली स्टार और न्यूजवीक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार रूसी प्रशासन ने अगर वहां के एक चर्चित नेता की बात मान ली, तो वो आबादी बढ़ाने का एक बेहद अजीबोगरीब तरीका अपना सकते हैं दरअसल, रूसी संसद के निचले सदन के सदस्य वैलेरी सेलेजनेव ने देश की गिरती हुई जन्मदर को बढ़ाने के लिए ऐसा तरीका सोचा है कि उसे सुनकर हैरानी होगी। उन्होंने कहा है कि रूसी जेलों में हजारों ऐसी महिलाएं बंद हैं जो किसी बड़े अपराध को कर के नहीं आई हैं ऐसे में इन महिलाओं के साथ सरकार को एक डील करनी चाहिए। नेता ने कहा कि अगर कैदी प्रेग्नेंट होने का भरोसा जताती है तो उसे रिहा कर दिया जाएगा और बच्चे को जन्म देती है तो पूरी सजा माफ कर दी जाएगी वैलेरी के अनुसार सरकार को इस डील के तहत महिला कैदियों को कुछ वक्त के लिए जेल से आजाद करना चाहिए और अगर वो उस वक्त में प्रेग्नेंट हो जाती हैं, तो उनकी पूरी सजा को माफ कर देना चाहिए इस प्रकार ये महिला कैदी देश की आबादी बढ़ाने का काम कर सकती हैं। आपको बता दें कि अक्टूबर 2020 से लेकर सितंबर 2021 के बीच रूस की आबादी में तेजी से गिरावट आई थी यूक्रेन के साथ युद्ध में भी हजारों जवान मारे गए थे। कुछ वक्त पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बर्थ रेट को 15 से बढ़ाकर 17 करने के लिए कई तरह की पॉलिसी का एलान किया था इसके लिए नई माओं को फंडिंग देना, बच्चों की शुरुआती शिक्षा को मुफ्त कर देना कुछ निर्णय थे 2021 में प्रति महिला को होने वाले बच्चों का दर घटकर 149 हो गया था जो पिछले 10 सालों की तुलना में सबसे कम था इस वजह से अब रूस में आबादी बढ़ाने के लिए इस तरह के विकल्पों को चुना जा रहा है।

आज भी जिंदा हैं डायनोसॉर! रह रहे हैं दूसरे ग्रहों पर

आपने अब तक हॉलीवुड की तमाम फिल्मों में इस बात की कल्पना देखी होगी कि डायनोसॉर कितने बड़े होते थे और वो एक झटके में क्या-क्या कर सकते थे ये तो कोरी कल्पनाएं हैं लेकिन धरती पर भी तमाम जगहों पर इस विशालकाय जानवर के पैरों के निशान मिलने का दावा किया जाता रहा है अब इस जीव को लेकर एक अजीबोगरीब दावा किया गया है एक एक्सपर्ट की ओर से, जो बिल्कुल अलग ही है। ऑस्ट्रियन एस्ट्रोनॉमर लिसा काल्टेनेगर का दावा है कि जिन डायनोसॉर्स के कदमों के निशान हम आज तक धरती पर ढूंढ रहे हैं, वो किसी और ग्रह पर जीवित हो सकते हैं उनका कहना है कि दूसरे ग्रहों पर मौजूद ऑक्सीजन की वजह से ऐसा हो सकता है कि वहां डायनोसॉर मौजूद हों इस रिपोर्ट को वेबसाइट पर पब्लिश किया गया है। लिसा की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि ब्रह्मांड में धरती ऐसी जगह है, जो रहने और विकास करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं धरती पर ऑक्सीज़न का लेवल 10 से 35 फीसदी तक पहुंच गया उन्होंने कहा है कि धरती के हल्के फिंगरप्रिंट के जरिये और भी ऐसे प्लानेट ढूंढे जा रहे हैं, जहां आबादी रही है ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि ऐसे प्लानेट्स का भी पता चल सकेगा, जहां और भी बड़ी और कॉम्प्लेक्स लाइफ के बारे में पता चल सके अगर ऐसे ग्रह के बारे में पता चल जाएगा, जहां धरती की तरह ऑक्सीजन मिल सकती है तो खोज थोड़ी आसान हो जाएगी अगर उस परिस्थिति में डायनोसॉर्स ने सर्वाइव किया था, तो क्या पता वहां और भी डायनोसॉर ढूंढे जाने का इंतज़ार कर रहे हों, इस स्टडी को Rebecca Payne of Cornell University के साथ मिलकर किया गया है लिसा के मुताबिक हमारे पास पृथ्वी का जो जियोलॉजिकल पीरियड है, वो धरती के इतिहास का सिर्फ 12 फीसदी हिस्सा है इसके पहले की चीजें हमारी जानकारी से बाहर हैं ऐसे में ये अपने पीछे तरह-तरह के सवाल छोड़ जाता है।

टीवी पर दिखता है सिर्फ मोदी का चेहरा : राहुल

» बोले- कांग्रेस की सारी स्कीम गरीब-पिछड़ों के लिए है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस के सांसद व वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कहा कि कभी आपने किसी किसान या मजदूर को टीवी पर देखा है, नहीं दिखेगा। शाहरूख, ऐश्वर्या या क्रिकेट मैच दिख जाएगा, लेकिन किसान नहीं दिखेगा। उत्तराखंड में हुए जमीन के नीचे मजदूर फंसे हैं, लेकिन टीवी पर केवल क्रिकेट दिख रहा है, थोड़ा उन मजदूरों को भी दिखा दो। मीडिया में नरेंद्र मोदी का चेहरा 24 घंटे आता है, क्योंकि मोदीजी अदाणी-अंबानी का काम करते हैं। ये अच्छा सौदा है, अदाणी-अंबानी इनका चेहरा दिखाते हैं और ये सारा जीएसटी का पैसा उधर भेजते हैं।

राहुल ने कहा कि राजस्थान की किसी स्कीम में अदाणी को एक पैसा नहीं मिल रहा है। अगर, वो मजदूरी करेगा तो उसे मनरेगा में पैसा मिलेगा, मजदूरी वो करने वाला नहीं है। मजदूरी करेगा तो वो बेहोश हो जाएगा, जमीन में लेट जाएगा, उसे पानी पिलाना पड़ेगा। कांग्रेस की सारी स्कीम गरीब-पिछड़ों के लिए हैं। भाजपा की सारी स्कीम अदाणी वाली स्कीम है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान में कहा कि बीजेपी नफरत और हिंसा क्यों फैलाते हैं और इनको क्या फायदा होता है। मैं आज ये समझाने आया हूं। जब दो जेबकतरे किसी की जेब काटना चाहते हैं तो क्या करते हैं? ध्यान हटाने का काम करते हैं। एक आपसे बात करता है और दूसरा आपकी जेब काटकर ले जाता है। यही काम मोदी और अदाणी कर रहे हैं। राजस्थान में सरकार की ओर से खोले गए अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह, राजनाथ सिंह जैसे भाजपा नेताओं के बच्चे अच्छे इंग्लिश स्कूलों में पढ़ते हैं। लेकिन, वे आदिवासी बच्चों को नहीं पढ़ना देना चाहते। मैं चाहता हूं कि आदिवासी युवा अगर पायलट बनना चाहता है, अमेरिका जाना चाहता है तो ये उसका हक है। इसी उद्देश्य के साथ कांग्रेस काम कर रही है। राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना को जरूरी बताते हुए कहा कि देश में आदिवासियों-दलितों का दर्द दूर करने के लिए जाति जनगणना जरूरी है। मैंने सदन में नरेंद्र मोदीजी से कहा कि यूपीए के समय हमने ये आंकड़े निकाले थे, अब आप जारी करो। जिस दिन मैंने ये बात की उस दिन से ही उनके भाषण बदल गए।

आपका ध्यान भटका दूंगा ये मोदी की गारंटी

राहुल ने कहा मोदी की गारंटी मतलब अदाणी की गारंटी। मोदी की गारंटी है कि आपका ध्यान भटका दूंगा। पीछे से अदाणी जेब काट लेगा। ये पूरा देश जानता है। हमारी राजस्थान में 7 गारंटी है। सबसे पहले महिलाओं को हर साल 10 हजार रुपए मिलेगा। इसमें एक रुपया अदाणी को नहीं जाएगा। सिलेंडर यहां 400 रुपए का हो जाएगा, एक रुपया अदाणी को नहीं। चिरंजीवी योजना में चुनाव के बाद 50 लाख तक का इलाज मुफ्त हो जाएगा।

कांग्रेस की घोषणाओं पर जनता को विश्वास नहीं : सीपी जोशी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को आलू से सोना बनाने वाला और सब्जबाग दिखाने वाला बताया। उन्होंने कहा- कांग्रेस ने जिस प्रकार 2018 में झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया था, वैसा ही प्रयास इस घोषणा पत्र में साफ दिखाई देता है। सीपी जोशी ने कहा कि मोदी सरकार की आयुष्मान भारत योजना का नाम बदलकर गहलोत सरकार ने चिरंजीवी योजना कर दिया। घोषणा पत्र में न तो पेपरलीक के बारे में प्रावधान है और न ही नारी सुरक्षा के बारे में कुछ कहा गया है। उन्होंने कहा- गहलोत सरकार में जिन लोगों को राजीव गांधी पाठशाला में लगाया गया था उनकी सैलरी नरेगा में काम करने वाले मजदूर भाइयों से भी कम थी। गहलोत सरकार सिर्फ सब्जबाग दिखाकर सत्ता में आने का रास्ता तलाश कर रही है। सीपी जोशी ने कहा- काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। राजस्थान की जनता इनका असली चेहरा जान चुकी है। जनता का विश्वास कांग्रेस की नहीं मोदीजी की गारंटियों पर है।

बहुमत हासिल करना हमारी पहली प्राथमिकता : पायलट

राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव के बीच असंतोष और असमंजस की अफवाहों के को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व डिप्टी चीफ मिनिस्टर सचिन पायलट ने कहा कि उनकी पार्टी साझा नेतृत्व में विश्वास करती है और राजस्थान में व्यक्तिगत जिम्मेदारियां पार्टी को वापस सत्ता में लौटने के बाद तय की जाएंगी। पायलट ने कहा कि हम एक दूसरे का सम्मान करते हैं और साझा नेतृत्व में विश्वास करते हैं। हम संघर्ष करेंगे और बहुमत प्राप्त करने के बाद, हमारे विधायक और पार्टी यह तय करेंगी कि जिम्मेदारियां किसे सौंपी जाएं। अगर किसी को इस प्रणाली से कोई समस्या है, तो उसे बातचीत करनी चाहिए और चीजें सुलझा लेनी चाहिए। हमारी पार्टी की परंपरा, नीति हमेशा से यही रही है। सचिन पायलट ने कहा कि अगर राजस्थान में जनता कांग्रेस की सरकार दोबारा बनवाती है तो हम मेज पर बैठकर तय करेंगे कि कौन क्या करेगा। इस प्रक्रिया का पालन 2018 में किया गया था और इस साल भी यही दोहराया जाएगा।

भाजपा कौरवों की सेना, मणिपुर में महिलाओं को नंगा घुमाया, यहां कैसे देंगे सुरक्षा : साधना भारती

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता साधना भारती ने कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव महाभारत के संग्राम की तरह दिखाई दे रहा है। एक तरफ दुराचारी और अत्याचारियों की सेना खड़ी है। ये लोग गोडसे और सावरकर की विचारधारा का समर्थन कर बलात्कारियों और किसानों को कुचलवाने वाले आरोपियों को संरक्षण देते हैं। भाजपा पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भारत जलाओ सेना है। कौरवों के कुकर्मियों की सेना है। वहीं, दूसरी तरफ भारती ने कांग्रेस को सत्य, अहिंसा और धर्मनिरपेक्ष लोगों की सेना बताया। उन्होंने कहा- कांग्रेस की सेना सूचना का अधिकार और राजस्थान में गरीबों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने वालों की सेना है। उन्होंने कहा- अशोक गहलोत सरकार ने गरीबों को 25 लाख का मुफ्त उपचार दिया है। आमजन के लिए 10 लाख का बीमा कराया है। यह सेना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की है। राजस्थान की जनता इस बार चुनाव का रिवाज बदलेगी। अशोक गहलोत की सरकार योजनाओं की वजह से वापसी करेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भगवान श्रीकृष्ण की तरह फिर से राजस्थान में राज करेंगे। भारती ने कहा- प्रधानमंत्री राजस्थान में महिला और बेटियों की सुरक्षा की बात कर रहे हैं। लेकिन, मणिपुर में बहन-बेटियों को नंगा घुमाया गया।

फोटो :4 पीएम

अग्निवीर भर्ती राजधानी लखनऊ के कैंट स्थित एएमसी स्टेडियम में अग्निवीर भर्ती की दौड़ कराई जा रही है इस भर्ती में प्रदेश भर के नवयुवक हिस्सा लेने लखनऊ कैंट पहुंचे पहले राउंड में अग्निवीर अभ्यर्थियों की दौड़ कराई गई फिर चयनित अभ्यर्थियों को फिजिकल और मेडिकल के लिए ले जाया गया। इस बीच सेना के अधिकारियों ने प्रेसवार्ता की।

बायजू को फेमा के तहत नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईडी द्वारा विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत संस्थापक बायजू रवीन्द्रन और उनकी कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित एक मामले में बेंगलुरु में 3 परिसरों में तलाशी और जब्ती अभियान चलाने के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसे संघर्षरत एडटेक कंपनी बायजू द्वारा 9,000 करोड़ रुपये के विदेशी मुद्रा उल्लंघन का पता चला है। यह नोटिस बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन और थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड तक फैला हुआ है। ईडी की कार्रवाई प्रमुख एडटेक कंपनी द्वारा संभावित फेमा उल्लघनों की जांच के बाद हुई है। सूत्रों ने सीएनबीसी-टीवी18 को बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बायजू को 9,000 करोड़ रुपये के विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट का एनआईए को झटका

कांग्रेसी नेताओं की हत्या के मामले में दखल से इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के बस्तर में साल 2013 में कांग्रेसी नेताओं की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट से एनआईए को झटका लगा है। कोर्ट ने कहा है कि माओवादी हमलों में बड़ी राजनीतिक साजिश के आरोपों का मामला चलता रहेगा। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 2020 में दर्ज की गई नई एफआईआर के खिलाफ एनआईए की याचिका खारिज कर दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम मामले में दखल नहीं देंगे। सुकमा के झीरम घाटी में 2013 में माओवादियों के हमले में 27 कांग्रेस नेताओं की मौत की जांच एनआईए द्वारा किये जाने के बावजूद, राज्य पुलिस से कराये जाने के राज्य सरकार के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा था, एनआईए इस मामले की जांच 2013 से कर रही है, इस मामले में 39 लोगों को आरोपी बनाया गया है और उनके खिलाफ 2 चार्जशीट दाखिए हुए हैं, बता दें कि तत्कालीन रमन सिंह की सरकार में यह हमला हुआ था और माओवादियों ने कांग्रेस के पूरे राज्य नेतृत्व का सफाया कर दिया था, बस्तर जिले के दर्भा इलाके में झीरम घाटी मे 25 मार्च, 2013 को हुये नक्सली हमले में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नंद कुमार पटेल, प्रतिपक्ष के पूर्व नेता महेन्द्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्या चरण शुक्ला सहित 29 व्यक्ति मारे गये थे।

भारतीय टीम कतर के आगे नहीं टिक पाई

» क्वालिफायर फुटबॉल वर्ल्ड कप-2026 मुस्तफा, अल्मोएज और यूसुफ ने दागे गोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। भारतीय फुटबॉल टीम को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर में हार का सामना करना पड़ा है। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में भारतीय टीम को 61वें नंबर की टीम कतर ने 3-0 से हराया। यह भारत की क्वालिफायर में भारत की पहली हार है।

टीम ने पहले मुकाबले में कुवैत को 1-0 से हराया था। इस हार के बाद भारतीय टीम दूसरे दौर के क्वालिफायर के ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर है, जबकि कतर 2 में से 2 जीत के साथ टॉप पर है। भारत का अगला मुकाबला 21 अप्रैल 2024 में अफगानिस्तान के साथ होगा। मुकाबले में दूसरे हाफ में भारतीय टीम बेरंग दिखी।

इस हाफ में कतर की टीम ने भारतीय टीम के खिलाफ 2 गोल दागे। दूसरे हाफ की शुरुआत में मैच के 47वें मिनट में कतर के अल्मोएज अली ने गोल करके बढ़त 2-0 कर दी। फिर यूसुफ अब्दुरिसाग ने 87वें मिनट में हेडर के जरिए तीसरा गोल दागा। कतर की टीम ने अटैकिंग शुरुआत की। टीम ने पहले चार मिनट में बैक-टु-बैक तीन हमले किए। इसका मेहमान टीम को फायदा चौथे मिनट में मिला है। मुस्तफा तारेक माशल ने टी अल अब्दुल्ला के पास पर गोल दागा। 16वें मिनट में भारतीय डिफेंडर संदेश झिंगन को पीला कॉर्ड दिया गया। इससे पहले, टीम इंडिया कतर को दो दफा गोलरहित ड्रॉ पर रोक चुकी है।

भारत ने 2022 वर्ल्ड कप के दूसरे दौर के क्वालिफायर में 10 सितंबर, 2019 को कतर को गोलरहित ड्रॉ पर रोककर फुटबॉल जगत को चौका दिया था। टीम ने 4 साल पहले एशियाई चैंपियन कतर को गोलरहित ड्रॉ पर रोका था। फीफा रैंकिंग में दोनों टीमों के बीच डबल का अंतर है। भारतीय टीम की वर्तमान रैंकिंग 102 है, जबकि कतर 61वें नंबर की टीम है। साथ में कतर की टीम एशियन चैंपियन भी है।

तीर्थ स्थल की तरह होगा नेताजी का स्मारक

सैफई में समाधि स्थल पर भव्य स्मारक का शिलान्यास, जयशंकर पांडेय बोले- 2024 में बूथ लेवल पर वोट बढ़ाकर नेताजी को श्रद्धांजलि देनी होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सैफई। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व रक्षा मंत्री नेताजी मुलायम सिंह यादव के 85वें जन्मदिवस पर अखिलेश यादव ने परिजनों के साथ समाधि स्थल पहुंचकर शांति यज्ञ पाठ किया। उसके बाद सैफई में समाधि स्थल पर भव्य स्मारक का शिलान्यास किया गया।

स्व. मुलायम सिंह यादव के समाधि स्थल पर स्मारक के उद्घाटन पर पूर्व मंत्री, अयोध्या जयशंकर पांडेय ने कहा कि नेताजी का स्मारक आने वाले दिनों में समाजवादियों का तीर्थस्थल होगा।ये बद्रीनाथ और केदारनाथ की तरह होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें देश में अघोषित आपातकाल को खत्म करना है। 2024 में इसे खत्म करना है। अगर चूक गए 2024 में, तो सजा भुगतनी होगी। 2024 में बूथ लेवल पर वोट बढ़ाकर नेताजी को श्रद्धांजलि देनी होगी।

वहीं सपा प्रमुख अखिलेश ने मंच पर उपस्थित 50 बुजुर्गों का सम्मान किया। इस अवसर पर राम आसरे कुशवाहा और जय शंकर पांडेय की किताब का विमोचन भी किया। इसके बाद राजपाल कश्यप ने उनको चित्र भेंट किया। मंच पर सपा कार्यकर्ता गीत प्रस्तुत करके नेता जी और अखिलेश की उपलब्धियां गिनाया। पूर्व एमएलसी काशीनाथ ने गीत गाया, हे! नेता जी तुम हो दीनानाथ। इससे पहले इटावा के मोहम्मद अफसर समेत कई ने गीत प्रस्तुत किए। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने नेताजी मुलायम सिंह यादव के अंत्येष्टि स्थल को फूलों से सजाया है। उसके साथ-साथ मंच को भी फूलों से सजाया गया है, कई जगह नेताजी मुलायम सिंह यादव की जनसभा संबोधित करते हुए भी फोटो लगाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए छह थानों के एसओ, 200 हेड कांस्टेबल, सिपाही तथा 70 पीएसी के जवान लगाए गए। वहीं सभी बैरिकेडिंग पर यातायात सिपाही भी तैनात रहे। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ी भी लगाई गई।

उधर एसओ सैफई मोहम्मद कामिल ने बताया कि मैनपुरी-इटावा हाईवे सुचारू रूप से चलता रहेगा। इस पर यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए भी फोर्स तैनात किया गया , समारोह का आयोजन ज्यादा से ज्यादा लोगों को दिखाने के लिए चार अलग-अलग जगहों पर एलईडी लगाई गई। इटावा व मैनपुरी से आने वाले वाहनों को चंदगी राम स्टेडियम में रोका गया। वहीं, चंदगीराम स्टेडियम के पास बैरिकेडिंग लगाई गई है। पीजीआई चौराहे पर बैरिकेडिंग लगाई गई। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के टिमरुआ कट रास्ते से आने वाले वाहनों को रोकने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आवास के पहले बैरिकेडिंग लगाई गई।

फोटो: सुमित कुमार

नेताजी की होर्डिंग और पोस्टर लगाए

महोत्सव ग्राउंड पर बैठने के लिए कुर्सियां लगाई गई। मीडिया के लिए अलग जगह बनाई। पूरा महोत्सव ग्राउंड समाजवादी झंडों से सजाया गया चारों तरफ नेताजी की होर्डिंग और पोस्टर लगाए गए थे। इससे पहले सपा राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव, शिवपाल सिंह यादव, पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव, पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर व्यवस्थाओं को देखा।

इस तरह का होगा स्मारक

स्मारक की रूपरेखा में लोककला की झलक और गुणवत्ता का ध्यान रखा जाएगा। म्यूजियम में जमीन से जुड़े हुए भारत के गौरव, महान राजनीतिज्ञ नेताजी की सादगी और गुणवत्ता की भी झलक देखने को मिलेगी। स्मारक का स्वरूप वर्गाकार होगा। इसमें दर्शनीय लैंडस्केप होंगे। चारों तरफ एक लंबी दीर्घा का प्रबंध किया गया है। इससे अंत्येष्टि स्थल तक पहुंचा जा सकता है। स्मारक 8.3 एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा। प्रवेश द्वार से अंत्येष्टि तक पहुंचने के लिए लैंडस्केप की श्रृंखला, चौक और प्रांगण होंगे। दोनों तरफ रम्य स्तंभों की योजना है। इससे दर्शकों को एक सुखद शांतिमय वातावरण की अनुभूति हो। इसके पार्श्व में एक दृश्यावली, मध्य में एक स्मृति सभागार होगा, जिसमें नेताजी की एक कांसे की भव्य प्रतिमा होगी। सभागार तक आवागमन के लिए चारों तरफ घास के मैदान होंगे। स्मृति सभागार में नेताजी की भव्य प्रतिमा लगाई जाएगी। उनसे जुड़ी चीजों और तस्वीरों का संग्रह किया जाएगा। स्मारक के निर्माण कार्य नेताजी के नाम से बनाए गए ट्रस्ट के माध्यम से किए जाएंगे।

50 लोगों का किया सम्मान

चार-पांच दिन में नहीं बनी बात तो रेस्क्यू ऑपरेशन आगे बढ़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तराखंड की सिल्कयारा सुरंग) में 10 दिन से फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने की कोशिश लगातार जारी है, ड्रिलिंग मशीन की मदद से अगले दो दिनों के भीतर सभी श्रमिकों को बाहर निकाला जा सकता है, लेकिन अगर इससे काम नहीं बना तो रेस्क्यू ऑपरेशन 15 दिनों तक भी खिंच सकता है।

यह जानकारी एक शीर्ष सरकारी ने दी है, 12 नवंबर को उत्तराखंड में 4.5 किलोमीटर लंबी सुरंग के ढहने की वजह से सभी मजदूर भीतर फंसे हुए है, उन्हें स्टील पाइप के जरिए खाना, पानी और दवाएं भेजी जा रही हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग सचिव अनुराग जैन ने कहा कि अमेरिकी ऑगर ड्रिलिंग मशीन मजदूरों को रेस्क्यू करने के लिए पहले से ही काम में जुटी हुई हैं, यह अभी सबसे अच्छा विकल्प है, उन्होंने कहा सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने में 15 दिन तक लग सकते हैं। शुक्रवार दोपहर को ड्रिलिंग मशीन एक कठोर चट्टान के पार चली गई, जिस वजह से कंपन शुरू हो गया था। जिसके बाद सुरक्षा कारणों से बचावकर्मियों को अभियान रोकना पड़ा था। अनुराग जैन ने कहा कि उन्होंने पांच अन्य एक्शन प्लान तैयार करके रखे हैं, लेकिन उनमें 15 दिन तक का समय लग सकता है।

यूपी के पूर्व डीजीपी ने बनाई पार्टी, चुनाव में प्रत्याशी उतारेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखननऊ। यूपी के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने बुंदेलखंड को अलग राज्य बनाने की आवाज बुलंद की है। इसके लिए उन्होंने बाकायदा बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी का गठन किया है। गठन के बाद पहली बार मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने इस क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। साथ ही कहा कि बुंदेलखंड राज्य में 15 जिले शामिल करने की मांग उठाई जाएगी।

आगामी लोकसभा चुनावों में इन जिलों से पार्टी के प्रत्याशी भी मैदान में उतरेंगे। पूर्व डीजीपी ने बांदा में बस स्टैंड के पास एक होटल में प्रेसवार्ता की। कहा कि आज भी बुंदेलखंड में रोजगार के अवसर नहीं हैं। समय से सिंचाई न होने के कारण अन्नदाताओं की फसलें सूख रहीं है। मऊ और मरका पुल का निर्माण शुरू कराया गया लेकिन सत्ता परिवर्तन होने के बाद यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट भी ठंडे बस्ते में चले गए। इस क्षेत्र के विकास के लिए वह सक्रिय राजनीति में उतर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी का गठन किया है। बुंदेलखंड राज्य में वह यूपी के बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर जिले को शामिल करने का प्रयास करेंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।